DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान
NAME OF NEWSPAPERS------- नई दिल्ली, बुधवार, 7 सितंबर 2022 ---DATED---

## पांच वर्ष तक फ्लैट की शिकायत संभव

नई दिल्ली। डीडीए के फ्लैटों की गुणवत्ता और निर्माण संबंधी समस्याओं को लेकर लोग पांच साल तक शिकायत कर सकते हैं। रेरा में पंजीकरण के बाद डीडीए की पंजीकृत परियोजनाओं में यह सुविधा मिलने जा रही है।

ब्योरा P05

# डीडीए में पांच साल कर सकेंगे फ्लैट संबंधी शिकायत

**सुविधा**

- रेरा में पंजीकरण के बाद डीडीए को मिली एस्क्रो अकाउंट बनाने की छूट

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा बनाए गए फ्लैट की गुणवत्ता और निर्माण संबंधी समस्याओं को लेकर लोग अब पांच साल तक शिकायत कर सकते हैं। रेरा में पंजीकरण के बाद डीडीए की पंजीकृत परियोजनाओं में यह सुविधा मिलने जा रही है।

रेरा में पंजीकरण होने के बाद प्रोजेक्ट को तय समय पर पूरा करने की जवाबदेही रहती है। साथ ही अगर फ्लैट की गुणवत्ता सही नहीं हो तो लोग पांच साल तक रेरा में उसकी शिकायत कर सकते हैं। रेरा ने डीडीए को अलग से एस्क्रो अकाउंट बनाने से भी छूट दे दी है। आमतौर पर बिल्डर प्रोजेक्ट में एक एस्क्रो अकाउंट बनाया जाता है और इसमें 70 प्रतिशत तक अमाउंट रखा जाता है।डीडीए ने 18 परियोजनाओं को रेरा में पंजीकृत करा लिया गया है।

दिसंबर 2021 में रेरा ने आदेश दिया कि फ्लैट खरीदारों के हितों को देखते हुए डीडीए को अपने प्रोजेक्ट रेरा में पंजीकृत करवाने होंगे। डीडीए ने इस आदेश को लेकर एक अपील दायर कर दी। इस मामले में सुनवाई चल ही रही थी कि डीडीए ने रेरा में पंजीकरण के लिए आवेदन कर दिया। 2019 में डीडीए ने 14 प्रोजेक्टों के लिए आवेदन किया। इनमें रेरा ने डीडीए से कुछ दस्तावेजों की मांग की।

दरअसल, डीडीए का तर्क था कि डीडीए के फ्लैट बनाने में पूरी लागत डीडीए ही खर्च करता है। फ्लैट के लिए प्राइवेट बिल्डरों की तरह पहले से बुकिंग अमाउंट नहीं लिया जाता। फ्लैट तैयार होने पर ही हाउसिंग स्कीम के जरिए उन्हें बेचा जाता है। लेकिन इस पर रेरा का जवाब था कि डीडीए जो पैसा लगा रहा है वह जनता का ही है। यही नहीं, अगर प्रोजेक्ट रेरा में पंजीकृत होंगे और समय पर पूरे होंगे तो इसका लाभ लोगों को ही मिलेगा।

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 7 सितंबर 2022

## रोहिणी की इन सड़कों की सुधरेगी हालत

रोहिणी सेक्टर 3, पॉकेट A-2 से पॉकेट C-3 तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 3, पॉकेट F-22 से पॉकेट H-34 तक की सड़क, एमसीडी प्राइमरी स्कूल 3A से सर्वोदय विद्यालय रोहिणी सेक्टर 3 तक की सड़क, डीडीए शॉपिंग सेंटर से केंद्रीय विद्यालय रोहिणी सेक्टर 3 तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 7, पॉकेट G-21/222 से पॉकेट G-23/30 तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 7, B6/159 से नाहरपुर डीएवी स्कूल के पीछे तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 7, रिंग रोड से माउंट आबू स्कूल तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 6, पॉकेट C-4/253 से पॉकेट C-5/253 तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर 6, विद्या जैन पब्लिक स्कूल की सड़क, रोहिणी सेक्टर 6, पॉकेट D-6 से A-1 रोड तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर-5, एमटीएनएल गोदाम से C-6/137 तक की सड़क, रोहिणी सेक्टर-5, सोम बाजार सड़क।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
WEDNESDAY, 7 SEPTEMBER, 2022 | NEW DELHI
NAME OF NEWSPAPER

THE DELHI EDITION OF NATIONAL DRAGONFLY FESTIVAL 2022 LAUNCHED

# Festival to promote conservation of dragonflies gets underway at Sanjay Van in city, say officials

**OUR CORRESPONDENT**

**NEW DELHI:** A four-month festival featuring nature walks and trails to promote conservation of tiny insects like dragonflies and damselflies has got underway in the national capital, officials said on Tuesday.

The Delhi edition of National Dragonfly Festival 2022 was launched at Sanjay Van. The DDA in a statement said the fifth edition of the festival was launched in August 2022 across 12 states of India to bring into public eye a group of insects called odonates and build support for their conservation.

The festival will engage participants through workshops, competitions, walks and odonate counts, it said.

> The event kickstarts a four-month-long exploration and observation of dragonflies and damselflies bringing these tiny insects into the public eye and building support for their conservation

Dragonflies and damselflies are vital indicators of ecosystem health but are "facing increasing threats of extinction," the urban body said which maintains Sanjay Van.

Dragonflies and damselflies, together comprising the group of insects called odonates, are ancient species that were around when the dinosaurs roamed the planet earth, the statement said.

"They are fantastic fliers and expert hunters. But more importantly, these insects are essential to our ecosystem as they are both prey and predators. With climatic changes and land degradation, many dragonflies and damselflies species are at risk of extinction. It is important to build awareness, evaluate and record odonate population trends, examine the roles these species play in ecosystems and explore effective steps towards their conservation," it said.

The event kickstarts a four-month-long exploration and observation of dragonflies and damselflies bringing these tiny insects into the public eye and building support for their conservation.

DDA and WWF India organised a special event amid the greenery of Delhi's Sanjay Van as part of it.

"Tiny insects like dragonflies and damselflies play a big part in our ecosystem. It is important to engage children, youth and citizens in observing and recording the different plants and animals found in Sanjay Van. This kind of public participation in research and citizen science is important in building awareness and improving the data available for scientists" Radhika Suri, Director Education, WWF India, was quoted as saying in the statement.

The event saw a participation of around 200 people including children and youth. A small session was conducted to introduce the audience to the world of dragonflies and damselflies and their morphology, behaviour, life cycle and differences. WWF India's naturalists and odonates specialists took people on nature walks to explore the different odonates and their behaviour.

The Dragonfly Festival at Sanjay Van is a nature-based learning activity being conducted to record and build a sense of appreciation for odonates of Delhi.

राष्ट्रीय सहारा नई दिल्ली। बुधवार • 7 सितम्बर • 2022

## दिल्ली एडिशन ऑफ नेशनल ड्रैगन फ्लाई फेस्टिवल शुरू

**नई दिल्ली (एसएनबी)।** दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के संजय वन में मंगलवार से दिल्ली एडिशन ऑफ नेशनल ड्रैगन फ्लाई फेस्टिवल-2022 शुरू हुआ। यह फेस्टिवल साल के आखिर यानी दिसम्बर तक चलेगा। इस दौरान वॉक एवं विभिन्न सर्वेक्षण इसमें हिस्सा लेंगे। फेस्टिवल में शामिल डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की शिक्षा निदेशक राधिका सूरी ने कहा कि ड्रैगन फ्लाई और डैमसलफ्लाई एको सिस्टम का बड़ा हिस्सा हैं, लेकिन वह विलुप्त होने के बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं। संजय वन में पाए जाने वाले विभिन्न पौधों और पशुओं के अवलोकन एवं रिकार्ड पर नजर रखने के लिए बच्चों और युवकों को शामिल करना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अनुसंधान में जनता की सहभागिता, नागरिक विज्ञान जागरूकता प्रसार और वैज्ञानिकों के लिए उपलब्ध आंकड़ों में सुधार करने में बहुत महत्वपूर्ण है।